आगरा, 14 जून, 1999

अमर उजाला 10

कैंसर के इलाज में कारगर है कर्कटोल नामक दवा

जयपुर 13 जून (वा)

आयुवर्दिक दवाओं से कैंसर का निदान खोजने में लगे डॉ. नंदलाल तिवारी का दावा है कि नई दिल्ली के आयुर्विज्ञान संस्थान के विज्ञान विभाग ने भी कर्कटोल दवा का चूहों पर परीक्षण कर उसे सुरक्षित पाया है।

डॉ. तिवारी ने कई वर्ष के प्रयास से कर्कटोल नामक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है जो उनके अनुसार गर्भाशय तथा भोजन नली के कैंसर और रक्त कैंसर के इलाज में कारगर सिद्ध हो रही है। डॉ. तिवारी ने कहा कि लंदन की प्रतिष्ठित लाइम एण्ड मार्टिन प्रयोगशाला ने भी यह निष्कर्ष निकाला है कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि कर्कटोल पर आगे और गहन अनुसंधान की जरुरत है।

डा. तिवारी ने कहा कि वह कर्कटोल दवा की आधुनिक तरीके से प्रामाणिकता की जांच कराने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को कई बार लिख चुके हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने भी इस दवा के चिकित्सकीय परीक्षण संबंधी परियोजना पर चुप्पी साध रखी हैं और निजी स्तर पर विदेशों से यह परीक्षण कराने पर लाखों रुपये खर्च होते हैं।

उन्होंने बताया कि कैंसर के इलाज के लिए वर्तमान चिकित्सा पद्धति में जो दवायें उपलब्ध हैं, वे अपने जहरीले प्रभाव से ही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती हैं जब कि कर्कटोल के साथ ऐसा नहीं हैं। दूसरे यह दवा बहुत सस्ती हैं।

डॉ. नंदलाल तिवारी का दावा

उन्होंने बताया कि कर्कटोल दवा की विदेशों से मांग आने पर पिछले कुछ वर्षों से इसे कैप्सूल का रूप दिया गया हैं। उन्होंने कहा कि कई विदेशी विशेषज्ञ डाक्टर भी कैंसर मरीजों को चिकित्सा के लिए उनके पास भेज रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बीमारी आखिरी चरण के करीब 40 से 50 प्रतिशत मरीजों को उनकी दवा से लाभ हुआ हैं।नागौर जिले के नीमड़ी कलां के निवासी डॉ. तिवारी ने साठ के दशक में असम तथा दार्जिलिंग में चाय बागानों का प्रबंध देखते समय कैंसर रोग की आयुर्वेदिक दवाओं की खोजबीन की। बाद में उन्होंने वैद्य विशारद की परीक्षा उत्तीर्ण कर वह कैंसर चिकित्सा के अनुसंधान में लग गये। इन दिनों वह कैंसर का पता लगाने वाली दवा बनाने का प्रयास कर रहे हैं।